



My Stamp

चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव
(04 फरवरी, 2021 – 04 फरवरी, 2022)

चौरी-चौरा की घटना 4 फरवरी, 1922 को ब्रिटिश भारत में संयुक्त प्रान्त (वर्तमान उत्तर प्रदेश) के गोरखपुर जिले के चौरी-चौरा में घटित हुई, जब असहयोग आंदोलन में भाग लेने वाले प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह पुलिस के साथ भिड़ गया। पुलिस द्वारा गोलीयाँ चलाये जाने पर प्रदर्शनकारियों ने हमला किया और एक पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। हिंसा के सख्त खिलाफ महात्मा गांधी ने 12 फरवरी, 1922 को इस घटना के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में असहयोग आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर रोक दिया। इसमें तत्कालीन ब्रिटिश सरकार द्वारा 225 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था। महामना मदन मोहन मालवीय एवं विद्वान अधिवक्ताओं की कुशल पैरवी से इसमें 206 लोग बरी किए गए। यह आन्दोलन आम किसानों, मजदूरों आदि के द्वारा किया गया विशाल आन्दोलन था। चौरी चौरा में अवस्थित 'शहीद स्मारक' आज भी उस आंदोलन की याद दिलाता है कि किस प्रकार लोगों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। 'चौरी-चौरा आंदोलन' के शताब्दी वर्ष के आरंभ पर भारतीय डाक विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से यह कस्टमाइज्ड माय स्टाम्प जारी किया गया।

Centenary Celebrations of Chauri-Chaura
(04th February, 2021 – 04th February, 2022)

The Chauri Chaura incident occurred at Chauri Chaura in the Gorakhpur district of the United Province (present day Uttar Pradesh), in British India on 4th February 1922, when a large group of protesters, participating in the Non-cooperation movement, clashed with police, who opened fire. In retaliation the demonstrators attacked and set fire to a police station. Mahatma Gandhi, who was strictly against violence, halted the Non-Cooperation Movement at national level on 12th February 1922 as a direct result of this incident. A lawsuit against 225 people was registered by the then British Government. Due to the skilful defence by Mahamana Madan Mohan Malaviya and other scholar advocates, 206 people were acquitted in this case. This movement was a huge movement by common farmers, labourers etc. The 'Shaheed Smarak' located in Chauri Chaura still reminds us of the movement and how people gave up their lives for the independence of the country. At the beginning of the centenary year of the "Chauri-Chaura movement", this customized My Stamp has been released by the Department of Posts in collaboration with the Government of Uttar Pradesh.

स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत्
चौरी चौरा
CHAURI CHAURA

शताब्दी महोत्सव—Centenary Celebrations

